කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව
UNIVERSITY OF KELANIYA – SRI LANKA

විවෘත හා දුරස්ථ අධ්‍යයන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ද්විතීය පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2012
2015 මාර්තු - මැයි

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී HIND E 2025 (R-OS)

නූතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය සහ නූතන හින්දී ගද්‍ය සාහිත්‍ය ග්‍රන්ථ හා උද්ධෘත

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව: 07 කාලය: පැය 03

केवल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **01 अनिवार्य** है।

---

01. निम्नलिखित किन्हीं **दो** गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) "शिकायत हुई तो लोग कहेंगे, नाम बड़े और दर्शन थोड़े। फिर वह मुझसे दहेज में एक पाई नहीं लेते, तो मेरा भी यह कर्तव्य है कि मेहमानों के आदर–सत्कार में कोई बात न उठा रखूँ।"

(ख) राजनीति में बुद्धि कुंठित होती है, तलवार नहीं। और तल्वार से ही अधिकार लिए जाते हैं। वे अधिकार जिन्हें तुम विद्रोह कहते हो। विद्रोही तो समुद्रगुप्त है, जिसने दस्यु की भाँति मेरे जन्म सिद्ध अधिकार का अपहरण किया है और छलपूर्वक युद्ध में विजय प्राप्त की है।

(ग) कुमुद बंद होने को हैं, पर अभी पूरे बंद नहीं हुए। उधर कमल खिलने को हैं, पर अभी पूरे खिले नहीं। एक की शोभा आधी ही रह गयी है और दूसरे को आधी ही प्राप्त हुई है।

(घ) –"ऐं क्या यह मेरी ही तलाश में है? क्यों न बैल छोड़कर भाग चलूँ? तब तो और भी पकड़ जाऊँगा! क्या मुझसे भाग जाएगा? फिर ऐसा बैल इस ज़िन्दगी में क्या फिर नसीब हो सकता है? नहीं, नहीं वह मेरी तलाश में है।"

02. आधुनिक हिन्दी साहित्य के युग विभाजन पर प्रकाश डालिए। (25 अंक)

03. निम्नलिखित लेखकों में से किन्हीं **दो** की **साहित्यिक सेवाओं** का परिचय दीजिए। (25 अंक)

(क) प्रेमचंद
(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

04. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (25 अंक)

प्रकृति एवं मानव को अपृथक संबन्ध में व्यवस्थित किया गया है। मनुष्य कोई प्रेरणा या तो अपने सामाजिक परिवेश से प्राप्त करता है या फिर प्रकृति से। वह उलझन की स्थिति में प्रकृति की सहायता प्राप्त करता है और प्रकृति मानव के सुखः दुख में हिस्सा लेती है। मानव पूर्णतः प्रकृति पर आधारित है। उसे विविध अनुभव प्रकृति से प्राप्त होते हैं। प्रकृति उसके लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य करती है। वह प्रकृति से बहुत कुछ सीख लेता है। आकाश, सूर्य, मेघ, बिजली, वायु आदि सभी प्रकृति के रूप हैं जिनसे मनुष्य लाभान्वित होता है। प्रकृति का मानव जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। मनुष्य प्रातःकालीन सूर्य की रोशनी से प्रेरित होता है। सरिताओं एवं समुद्र व झरनों का वह आनन्द लेकर विविध क्रियाकलाप संपादित करता है।

05. **निर्मला** उपन्यास के पठित अंश को सरल हिन्दी में लिखिए। (25 अंक)

06. **समुद्रगुप्त पराक्रमांक** नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए। (25 अंक)

07. पठित **एक रेखाचित्र** के कथानक को अपनी हिन्दी में लिखिए। (25 अंक)

****